अमर उजाला

Date: 21.06.2024

जियो इंफार्मेटिक्स विज्ञान में करें पीजी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय और स्काइलाइन जियो इंफार्मेटिक्स संस्था रोहतक के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय में जियो इंफार्मेटिक्स विज्ञान में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के तहत रहेगा। भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. सितेंदर मलिक ने बताया कि विभाग इस कोर्स के लिए पिछले एक साल से प्रयासरत था, जिसमें अब सफलता प्राप्त हुई है। इस प्रक्रिया में कुलपति डॉ. रणपाल सिंह के कुशल नेतृत्व और कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन के कुशल प्रशासनिक निर्देशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इंडस्ट्री में जियो इंफार्मेटिक्स में पारंगत विद्यार्थियों की मांग बहुत अधिक है। इस कोर्स की अवधि एक साल रहेगी। जिसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान, जिसमें लिडार, राडार, जीपीएस सर्वेक्षण, ड्रोन मैपिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद विद्यार्थी अपना स्वयं का कार्य भी शुरू कर सकता है और एक बेहतरीन नौकरी भी प्राप्त कर सकता हैं। दोनों ही क्षेत्रों में सालाना तीन लाख तक की कमाई की जा सकेगी। संवाद

पंजाब केसरी

Date: 21.06.2024

सी.आर.एस.यू. में शुरू होगा जियो इन्फॉर्मैटिक्स विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स

जींद, 20 जून (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय और स्काईलाइन जियो इन्फॉर्मैटिक्स संस्था रोहतक के बीच समझौते (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय में जियो इन्फॉर्मैटिक्स विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। जो विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के तहत रहेगा। भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. सितेंद्र मलिक ने बताया कि विभाग इस कोर्स के लिए पिछले एक साल से प्रयासरत था, जिसमें आज सफलता प्राप्त हुई है। इस पूरी प्रक्रिया में कुलपति डा. रणपाल सिंह के निर्देशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर विभाग की ओर से डीन रिसर्च डा. अनुपम भाटिया, स्काईलाइन जियो इन्फॉर्मैटिक्स संस्था की तरफ से निदेशक अजय पूनिया, एकैडमिक निदेशक अजय देशवाल मौजूद रहे।

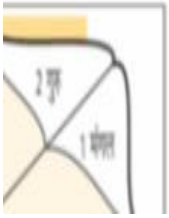

स्काईलाइन जियो इन्फॉर्मैटिक्स संस्था रोहतक से एम.ओ.यू. दिखाते हुए वी.सी. डा. रणपाल।

एक साल का होगा कोर्स

भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. सितेंद्र मलिक ने बताया कि इंडस्ट्री में जियो इन्फॉर्मैटिक्स में पारंगत विद्यार्थियों की मांग बहुत अधिक है। इस कोर्स की अवधि एक साल रहेगी। इसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान जिसमें लिडार, राडार, जी.पी.एस. सर्वेक्षण, ड्रोन मैपिंग आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी।

जिसके बाद विद्यार्थी अपना स्वयं का कार्य भी शुरू कर सकते हैं और एक बेहतरीन नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। दोनों ही क्षेत्रों में सालाना 3 लाख तक की कमाई आराम से की जा सकती है और विद्यार्थी अपनी कुशलता के आधार पर इसमें कितनी भी वृद्धि कर सकता है।

जियो इन्फॉर्मैटिक्स विषय की प्राइवेट और सरकारी क्षेत्र में मांग : वी.सी.

सी.आर.एस. कुलसचिव डा. रणपाल सिंह ने कहा कि जो कोर्स विद्यार्थियों को सक्षम बनाते हैं या नौकरी दिलवाने में सहायक हैं, विश्वविद्यालय इस प्रकार के कोर्स को शुरू करने के लिए सदैव तत्पर है। जियो इन्फॉर्मैटिक्स विषय की प्राइवेट और सरकारी दोनों क्षेत्रों में बहुत अधिक मांग है।

भूगोल विषय की वर्तमान में बहुत अधिक मांग है और विद्यार्थी इस विषय को प्राथमिकता देते हैं। यह कोर्स विभाग और विद्यार्थियों दोनों की ही दक्षता बढ़ाने में सहायक होगा।

पानीपत, शुक्रवार, 21 जून, 2024

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

जींद

जियो इंफार्मेटिक्स विज्ञान में कर सकेंगे डिप्लोमा IV

www.jagran.com

नरवाना में कैनाल रोड पर बिछाई जाएंगी साइड ब्लाक III

सीआरएसयू में भूगोल विभाग शुरू करेगा जियो इंफार्मेटिक्स विज्ञान में पीजी डिप्लोमा

जागरण संवाददाता ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय और स्काइलाइन जियोइंफार्मेटिक्स संस्था रोहतक के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय में जियोइंफार्मेटिक्स विज्ञान में एक पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। जो विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अंतर्गत रहेगा।

भूगोल विभाग के प्रभारी डा. सितेंद्र मलिक ने बताया कि विभाग इस कोर्स के लिए पिछले एक साल से प्रयासरत था, जिसमें अब सफलता प्राप्त हुई है। इस पूरी प्रक्रिया में वीसी डा. रणपाल सिंह के नेतृत्व और रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन के प्रशासनिक निर्देशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इंडस्ट्री में जियोइंफार्मेटिक्स में पारंगत विद्यार्थियों की मांग बहुत अधिक है। इस कोर्स की अवधि एक साल रहेगी, जिसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान जिसमें लिडार, राडार, जीपीएस सर्वेक्षण, ड्रोन मैपिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसके बाद विद्यार्थी अपना स्वयं का कार्य भी शुरु कर सकते हैं और एक बेहतरीन नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। दोनों ही क्षेत्रों में सालाना तीन लाख रुपये तक की कमाई आराम से की जा सकती है और विधार्थी अपनी कुशलता के आधार पर इसमें कितनी भी वृद्धि कर सकता है। वीसी ने विभाग को बधाई देते हुए कहा कि जो कोर्स विद्यार्थियों को सक्षम बनाते हैं या नौकरी दिलवाने में सहायक हैं, विश्वविद्यालय इस प्रकार के कोर्स को शुरु करने के लिए सदैव तत्पर है। जियोइंफारमेटिक्स विषय की प्राइवेट और सरकारी दोनों क्षेत्रों में बहुत अधिक मांग है। रजिस्ट्रार ने कहा कि भूगोल विषय की वर्तमान में बहुत अधिक मांग है और विद्यार्थी इस विषय को प्राथमिकता देते हैं।

डिप्लोमा कोर्स शुरू करने को लेकर संस्था के साथ एमओयू के दौरान वीसी डा. रणपाल सिंह और स्टाफ। ● सौ. विवि

यह कोर्स विभाग और विद्यार्थियों दोनों की ही दक्षता बढ़ने में सहायक होगा। इस अवसर पर विभाग की ओर से डा. सितेंद्र मलिक, डीन रिसर्च डा. अनुपम भाटिया और स्काइलाइन जियोइंफार्मेटिक्स संस्था की तरफ से निर्देशक अजय पूनिया, अकादमिक निर्देशक अजय देसवाल, डा. रविंद्र नाथ तिवारी और देवेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 21.06.2024

सीआरएसयू: जियोइंफॉर्मेटिक्स विज्ञान में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू होगा

भूगोल विभाग में शुरू होगा कोर्स, यूनिवर्सिटी और संस्था का हुआ एमओयू

भास्कर न्यूज | जींद

विद्यार्थियों के लिए नई जानकारी है। जींद की सीआरएस यूनिवर्सिटी में भूगोल विभाग जियोइंफॉर्मेटिक्स विज्ञान में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी और स्काइलाइन जियोइंफॉर्मेटिक्स संस्था रोहतक के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय में जियोइंफॉर्मेटिक्स विज्ञान में एक पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। जो विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अंतर्गत रहेगा। यह जानकारी भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. सितेंद्र मलिक ने दी।

उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में जियोइंफॉर्मेटिक्स में पारंगत विद्यार्थियों की डिमांड बहुत अधिक है। इस कोर्स की अवधि एक साल रहेगी, जिसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान जिसमें लिडार, रडार, जीपीएस सर्वेक्षण, ड्रोन मैपिंग आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद विद्यार्थी अपना स्वयं का कार्य भी शुरू कर सकते हैं और एक बेहतरीन नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। दोनों ही क्षेत्रों में सालाना तीन से चार लाख तक की कमाई आराम से की जा सकती है और विद्यार्थी अपनी कुशलता के आधार पर इसमें कितनी भी वृद्धि कर सकता है। सीआरएसयू के वाइस चांसलर डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि जो कोर्स विद्यार्थियों को सक्षम बनाते हैं या नौकरी दिलवाने में सहायक हैं, विश्वविद्यालय इस प्रकार के कोर्स को शुरू करने के लिए सदैव तत्पर है। जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की प्राइवेट और सरकारी दोनों क्षेत्रों में बहुत अधिक मांग है। कुलसचिव प्रोफेसर लक्लीन मोहन ने कहा कि भूगोल विषय की वर्तमान में बहुत अधिक मांग है और विद्यार्थी इस विषय को प्राथमिकता देते हैं। यह कोर्स विभाग और विद्यार्थियों की दक्षता बढ़ाने में सहायक होगा। इस अवसर पर विभाग की ओर से डॉ सितेंद्र मलिक, डीन रिसर्च डॉ. अनुपम भाटिया और स्काइलाइन जियोइंफॉर्मेटिक्स संस्था की तरफ से निर्देशक अजय पुनिया, एकेडमिक निर्देशक अजय देसवाल मौजूद रहे।

डीसीआरयूएसटी में 30 जून तक आवेदन

सोनीपत | दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय , मुरथल में विद्यार्थी अब ऑन लाइन 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। 2 जुलाई को वेब साइट से परीक्षा देने वाले अपना एडमिट कार्ड डाउ लोड कर सकते हैं। 12 जुलाई को विश्वविद्यालय पहली फिजिकल काउंसिलिंग करेगा। डीसीआरयूएसटी ने आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 30 जून तक कर दिया है। पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून थी। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का आय जन 5, 6 व 7 जुलाई को किया जाएगा। 9 जुलाई को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी 9 जुलाई को विवि की वेबाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पहली काउंलिंग का आयोजन 12 जुलाई को किया जाएगा, जबकि दूसरी व तीसरी काउंलिंग का आय जन क्रमश: 18 व 24 जुलाई को किया जाएगा। नए शैक्षणिक स्तर की क्लास 15 जुलाई को प्रारंभ हो जाएगीं।

दैनिक सवेरा टाइम्स

Date: 21.06.2024

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग शुरू करेगा जियोइंफॉर्मेटिक्स विज्ञान में पीजी डिप्लोमा कोर्स

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 20 जून : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद और स्काइलाइन जियोइंफॉर्मेटिक्स संस्था, रोहतक के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए। इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय में जियोइंफॉर्मेटिक्स विज्ञान में एक पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अंतर्गत रहेगा। भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. सितेंद्र मलिक ने बताया कि विभाग इस कोर्स के लिए पिछले एक साल से प्रयासरत था जिसमें आज सफलता प्राप्त हुई है। इस पूरी प्रक्रिया में कुलपति डॉ. रणपाल सिंह के कुशल और कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन के कुशल प्रशासनिक निर्देशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इंडस्ट्री में जियोइंफॉर्मेटिक्स में पारंगत विद्यार्थियों की मांग बहुत अधिक है। इस कोर्स की अवधि एक साल रहेगी, जिसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान जिसमें लिडार, राडार, जीपीएस सर्वेक्षण, ड्रोन मैपिंग आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद विद्यार्थी अपना स्वयं का कार्य भी शुरू कर सकते हैं और एक बेहतरीन नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। दोनों ही क्षेत्रों में सालाना तीन लाख तक की कमाई आराम से की जा सकती है और विधार्थी अपनी कुशलता के आधार पर इसमें कितनी भी वृद्धि कर सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. रणपाल सिंह ने विभाग को बधाई दी। जियोइन्फारमैटिक्स विषय की प्राइवेट और सरकारी दोनों क्षेत्रों में बहुत अधिक मांग है। कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने भूगोल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि भूगोल विषय की वर्तमान में बहुत अधिक मांग है और विद्यार्थी इस विषय को प्राथमिकता देते हैं। यह कोर्स विभाग और विद्यार्थियों दोनों की ही दक्षता बढ़ने में सहायक होगा। इस अवसर पर विभाग की ओर से डॉ. सितेंद्र मलिक, डीन रिसर्च डॉ. अनुपम भाटिया और स्काइलाइन जियोइंफॉर्मेटिक्स संस्था की तरफ से निर्देशक अजय पुनिया, अकेडमिक निर्देशक अजय देशवाल, डॉ. रविन्द्र नाथ तिवारी और देवेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

एमओयू देती कुलसचिव व अन्य प्रशासनिक अधिकारी।